प्रवर इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, लोनी महाराष्ट्र के वार्षिक दीक्षांत समारोह में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की पावन धरा, भारत के गौरव महाराष्ट्र को नमन करता हूँ।

प्रवर इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के नौजवान विद्यार्थियों के बीच आकर आज मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मैं अपने सामने उत्साहित नौजवानों को देख रहा हूँ।

आप सभी को आपके वार्षिक दीक्षांत समारोह की अनेक शुभकामनाएं देता हूँ। आज इस दीक्षांत समारोह में अपनी डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बहुत बहुत बधाई। देश के इस प्रतिष्ठित संस्थान से मेडिकल साइंस में डिग्री हासिल करना आपके लिए एक विशेष उपलब्धि है। कई वर्षों के परिश्रम और अध्ययन के बाद आपने यह डिग्री हासिल की है।

इस डिग्री के पीछे आपकी मेहनत तो है ही, इसी के साथ आपके माता-पिता का त्याग, उनकी अभिलाषा और आपके शिक्षकों का समर्पण भी है। मैं आप सभी को अनेक अनेक शुभकामनाएं देता हूँ।

पद्मश्री से सम्मानित स्वर्गीय डॉ. विट्ठलराव विखे पाटील जी ने आजीवन ग्रामीण जन जीवन को सशक्त किया। सहकारिता के साथ ग्राम स्वराज की संकल्पना पर काम कर श्री विट्ठलराव विखे पाटील महाराष्ट्र के गांवों में बसने वाले साधारण लोगों के जीवन में सामाजिक – आर्थिक बदलाव लेकर आए।

उनके पदचिह्नों पर चलते हुए उनके सुपुत्र, पद्मभूषण से सम्मानित स्वर्गीय डॉ. बालासाहेब विखे पाटील ने समाज सेवा के कार्यों को और अधिक विस्तार दिया। प्रवर मेडिकल संस्थान की स्थापना कर उन्होंने सेवा के संकल्प को साकार किया है।

इस संस्थान के कुलाधिपति डॉ. राजेन्द्र विखे पाटील उनकी इस समृद्ध विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। शिक्षा के माध्यम से किस तरह सामाजिक परिवर्तन लाया जा सकता है, यह इस संस्थान ने साबित किया है।

मेडिकल साइंस का क्षेत्र और इसकी उपाधि हमेशा से ही हमारे समाज में बड़ी सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं। इस संस्थान के विद्यार्थी आगे प्रैक्टिस कर प्रोफेशनल

डॉक्टर बनेंगे। पूरी दुनिया में डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है। इससे आपकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है कि जितनी मेहनत से आपने अपनी पढ़ाई पूरी की है, उससे भी अधिक मेहनत से आप अपने प्रोफेशनल जीवन में काम करें। अपनी प्रैक्टिस के लिए आप जहां भी जाए, आपका मिशन यही होना चाहिए कि जो पीड़ित व्यक्ति आपके पास आए आप उसकी बीमारी का निदान कर सको।

प्रिय विद्यार्थियो, देश और दुनिया में जितने भी सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हुए हैं, वह सब शिक्षित और योग्य युवाओं ने किए हैं। इसलिए समाज और देश को अब आपसे आशा है कि जो वर्तमान और भविष्य की चुनौतियाँ हैं, उन चुनौतियों का समाधान आप युवा करोगे।

अभी तक आप मेडिकल के स्टूडेंट हो, जल्द ही आप मेडिकल फील्ड में प्रोफेशनल डॉक्टर बनेंगे। तब आपसे उम्मीदें होंगी कि देश और प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में जो समस्याएं हैं, आप उनके निवारण पर काम करोगे। हमारे गाँव-कस्बों तक कैसे हम उन्नत हेल्थ फेसिलिटी पहुँचा सकते हैं, कैसे हर व्यक्ति तक सस्ता और गुणवत्ता पूर्ण उपचार पहुँचे; आप इस दिशा में समाधान के लिए काम करोगे।

मैं आपसे कहना चाहूँगा कि आपकी यह जो फील्ड है इसमें व्यक्ति जीवनभर एक छात्र बना रहता है। बड़ा डॉक्टर वो ही बनाते हैं तो अपनी एमबीबीएस/अपनी डिग्री के बाद भी सीखना निरंतर जारी रखते हैं। अब आपमें से बहुत विद्यार्थी किसी न किसी अस्पताल या कहीं डॉक्टर के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। मैं आपसे उम्मीद करूंगा कि अपने काम के दौरान भी आप निरंतर सीखते रहें। इससे आप अपने क्षेत्र में पारंगत बनेंगे।

उपचार के साथ आपकी यह भी जिम्मेदारी है कि आप आम जन को स्वास्थ्य संबंधी विषयों को लेकर जागरूक करें। स्वास्थ्य के मुद्दों पर जो अफवाहें अक्सर समाज में होती हैं, आप उनका खंडन करें और लोगों तक सही जानकारी पहुँचाएं।

मुझे एक वाकया याद आ रहा है। दादरा नागर हवेली और दमन दीव क्षेत्र में मुझे एक उदाहरण जानने को मिला है। मुझे मालूम हुआ कि वहाँ एक 'गाँव दत्तक' कार्यक्रम चल रहा है। जिसमें वहाँ के मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने 50 गाँवों को गोद लिया है।

अब उस मेडिकल कॉलेज के छात्र हर तरह की बीमारी से बचने के लिए गाँव की मदद करते हैं और स्वास्थ्य से जुड़ी सरकारी योजनाओं के बारे में गाँव वालों को जानकारी

देते हैं। उन 50 गाँवों में जब कभी कोई बीमार होता है तो वो मेडिकल कॉलेज के छात्र उनका इलाज करते हैं।

ऐसा ही प्रयास आप भी अपने स्तर पर कर सकते हैं। मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले आप युवा विद्यार्थी क्यों ना लोनी, महाराष्ट्र में आस पास के कुछ गाँवों को या किसी एरिया में यह संकल्प लें; कि यहाँ अगर स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या आती है तो आप आगे बढ़कर कॉर्डिनेशन कर ज़रूरतमन्द लोगों की सहायता करोगे। आप भी इस तरह सेवा के लिए काम कर सकते हैं।

ईश्वर किसी भी मनुष्य को एक बार जीवन देकर भेजता है। लेकिन, डॉक्टर उसे बार-बार जीवन देता है। कोविड जैसी वैश्विक आपदा के बीच जब देशवासी अपने घरों में कैद थे, तब मानवता के देवदूत के रूप में डॉक्टर ही थे, जो संकट की घड़ी में मौत के सामने देश और मानवता के रक्षक बनकर खड़े थे। मेडिकल का प्रोफेशन सिर्फ प्रोफेशन नहीं है, यह एक दायित्व है, एक कर्तव्य है। इसलिए समस्त विश्व में इसे नोबल प्रोफेशन के रुप में जाना जाता है।

भारत दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है। हमारे देश में इतनी बड़ी आबादी के हिसाब से पर्याप्त डॉक्टर्स नहीं है। लेकिन हम लगातार अपने आप में सुधार कर रहे हैं। हम अपने साधन-संसाधनों का विस्तार कर रहे हैं। भारत को निरोगी बनाने की हमारी इच्छा शक्ति मजबूत है। इसका परिणाम है कि आज भारत में एमबीबीएस सीटों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जल्द ही वह समय आएगा, जब एक लाख डॉक्टर्स हमारे देश में हर वर्ष तैयार होंगे।

देशभर में ऐसे उदाहरण हैं, जहाँ कोई डॉक्टर 10 रुपये की पर्ची बनाकर आम लोगों का इलाज करता है तो कोई पिछले 10 सालों से सैंकड़ों फ्री मेडिकल कैंप लगा चुके हैं। ऐसे ऐसे डॉक्टर्स हैं, जिन्होंने एक लाख से ज़्यादा लोगों का फ्री में इलाज किया है। मैं आपको यह नहीं कह रहा कि आप फुल टाइम फ्री में इलाज करें या सिर्फ निःस्वार्थ सेवा करते रहे। मैं आपसे यह कह रहा हूँ कि आप पूर्ण समर्पण भाव से अपने प्रोफेशन में काम करें। इसी के साथ आम और कमजोर जन की सेवा के लिए समय ज़रूर निकालें।

अपने संसदीय क्षेत्र कोटा-बूँदी में भी हम "हर गाँव स्वस्थ-हर परिवार स्वस्थ" नाम से रेगुलर हेल्थ कैम्प का आयोजन कर रहे हैं। वहाँ गाँव-गाँव में लोगों को जागरुक कर हेल्थ कैम्प में उनकी निःशुल्क जाँच की जाती है। हर ग्रामीण व्यक्ति जिसको स्वास्थ्य से संबंधित कोई समस्या है, कोई आशंका है; उनकी जाँच की जाती है और उन्हें दवा भी दी जाती है।

चिकित्सा का क्षेत्र बड़े दायित्व का क्षेत्र है। यह सेवा और मानवता का क्षेत्र है। आपके कार्य और कौशल का सम्मान हर व्यक्ति करता है। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूँ कि आज आप यहाँ से डिग्री लेकर जाएंगे तो जीवन में बहुत तरक्की करेंगे। इसी के साथ मैं आशा करता हूँ कि आप देश, समाज और मानवता के क्षेत्र में अपना अतुलनीय योगदान देंगे। आप भारत को विकसित और निरोगी राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रवर इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में नित नए आयाम विकसित करें। एक चिकित्सा संस्थान के रूप में हमारा लक्ष्य चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा पद्धति और चिकित्सा अनुसंधान को सर्वोत्तम बनाना हो। हम सर्वोत्तम चिकित्सकों को तैयार कर अपने राष्ट्र के नवनिर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं। इसी संदेश के साथ आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं।

———